पाठ्यक्रम संरचना
कक्षा – IX
विषय – सामाजिक विज्ञान (300)

पूर्णांक – 100

सैद्धांतिक – 75
प्रायोजना – 25

स0क्र0	इकाई	आबंटित अंक	कालखण्ड
01.	मानचित्र और मानचित्र का अध्ययन	04	12
02.	भारत एक सामान्य परिचय – •भारतीय उपमहादीप का स्वरूप •उत्तर तथा उत्तर–पूर्वी पर्वत माला	02	06
	•उत्तर का विशाल मैदान	01	04
	•प्रायद्वीपीय पठार, समुद्र तटीय मैदान और द्वीप समूह, भारतीय मरूस्थल	03	10
03.	भारत की जलवायु	04	12
04.	भारत की नदियाँ और अपवाह प्रणाली	04	10
05.	प्राकृतिक वनस्पति एवं वनाश्रित समुदाय	02	06
06.	यूरोप और भारत में आधुनिक संस्कृति का उदय पूर्व आधुनिक काल (सन् 1300–1800)	04	09
07.	धर्म सुधार और प्रबोधन	04	10
08.	लोकतंत्रिक और राष्ट्रवादी क्रांतियाँ (सन् 1600–1900)	04	10
09.	औद्योगिक क्रांति और सामाजिक बदलाव (सन् 1750–1900)	04	10
10.	उपनिवेशवाद	04	10
11.	लोकतंत्र का विचार एवं विस्तार	08	17
12.	लोकतंत्र की प्रमुख विशेषताएँ		
13.	अधिकार	05	12
14.	जेण्डर समानता और महिला अधिकार	05	12
15.	आर्थिक क्रियाओं की समझ	06	15
16.	भारतीय अर्थव्यवस्था का स्वरूप भाग – 1	06	15
17.	भारतीय अर्थव्यवस्था का स्वरूप भाग – 2		
18.	उत्पादन कैसे होता है	05	10
	कुल –	**75**	**190**
	प्रायोजना –	**25**	**30**
	महायोग –	**100**	**220**

प्रश्नपत्र योजना
कक्षा – IX
विषय – सामाजिक विज्ञान (300)

कुल अंक – 75 समय – 3:00 घण्टे

"A" - शैक्षिक उद्देश्य अनुसार अंक विभाजन

क्र0	शैक्षिक उद्देश्य	वस्तुनिष्ठ (MCQ/VSA) 01	लघु उत्तरीय (SA-I) 02	लघु उत्तरीय (SA-II) 03	दीर्घ उत्तरीय (LA-I) 04	दीर्घ उत्तरीय (LA-II) 05	कुल अंक	% अधिभार
1.	ज्ञानात्मक **(Knowledge)** परिभाषा, सिद्धांत, तथ्यों को पहचानना, सूचना इत्यादि पर आधारित स्मरण क्षमता पर आधारित प्रश्न	15	-	-	-	-	15	**20%**
2.	अवबोधात्मक **(Understanding)**- अर्थ, व्याख्या, अंतर स्पष्ट करना, वैचारिक समझ, भावानुवाद	-	2	2	1	1	19	**25%**
3.	अनुप्रयोगात्मक **(Application)** उदाहरण सहित/संदर्भ और समझ के आधार पर दी गई नयी परिस्थितियों को समझना/सिद्धांत के समाधान/हल निकालना	-	1	1	2	1	18	**25%**
4.	विश्लेषणात्मक **(Analysis)** [HOTS] वर्गीकृत, तुलनात्मक, व्याख्या विभिन्न स्त्रोतो पर आधारित विशेष जानकारी को समाहित करना/एकीकरण/सुसंगठित करना/अंतर	-	-	1	-	1	8	**10%**
5.	मूल्यांकन **(Evaluation)** मूल्यांकन करना/समीक्षा करना/मूल्य निर्धारण/निष्कर्ष निकालना/चयन करना/ तर्क आधारित	-	-	1	1	-	7	**10%**
6.	रचनात्मक **(Creation/Creativity)** सृजन करना/पुर्वानुमान/योजना बनाना/ परिकल्पना /संगठित करना	-	2	-	1	-	8	**10%**
	योग	**1(15) =15**	**2(05) =10**	**3(05) =15**	**4(05) =20**	**5(03) =15**	**75**	**100%**

"B" - प्रश्नानुसार विभाजन

क्र0	प्रश्नों का प्रकार	प्रत्येक प्रश्न पर आबंटित अंक	कुल प्रश्न	कुल अंक
1.	वस्तुनिष्ठ प्रश्न (MCQ/VSA)	01	1(15)	15
2.	लघुउत्तरीय प्रश्न (SA-I)	02	05	10
3.	लघुउत्तरीय प्रश्न (SA-II)	03	05	15
4.	दीर्घउत्तरीय प्रश्न (LA-I)	04	05	20
5.	दीर्घउत्तरीय प्रश्न (LA-II)	05	03	15
			18+1(15) =19	75

"C" – कठिनाई स्तर अनुसार विभाजन

क्र0	कठिनाई स्तर	अंक	प्रतिशत
1.	सरल (E)	22	30%
2.	औसत (AV)	38	50%
3.	कठिन (D)	15	20%
	कुल योग	75	**100%**

ब्लूप्रिंट
कक्षा – IX
विषय – सामाजिक विज्ञान (300)

कुल अंक – 75 समय – 3:00 घण्टे

क्र	इकाई एवं विषयवस्तु	अंको का अधिभार	वस्तुनिष्ठ (MCQ/ VSA) 01	लघु उत्तरीय (SA-I) 02	लघु उत्तरीय (SA-II) 03	दीर्घ उत्तरीय (LA-I) 04	दीर्घ उत्तरीय (LA-II) 05	कुल अंक	प्रश्नों की संख्या
01.	मानचित्र और मानचित्र का अध्ययन	04	01	-	01	-	-	04	1(1)
02.	भारत एक सामान्य परिचय • भारतीय उपमहाद्वीप का स्वरूप • उत्तर तथा उत्तर–पूर्वी पर्वत माला	02	02	-	-	-	-	02	0(2)
	• उत्तर का विशाल मैदान	01	01	-	-	-	-	01	0(1)
	• प्रायद्वीपीय पठार, समुद्र तटीय मैदान और द्वीप समूह, भारतीय मरूस्थल	03	01	01	-	-	-	03	1(1)
03.	भारत की जलवायु	04	01	-	01	-	-	04	1(1)
04.	भारत की नदियाँ और अपवाह प्रणाली	04	02	01	-	-	-	04	1(2)
05.	प्राकृतिक वनस्पति एवं वनाश्रित समुदाय	02	02	-	-	-	-	02	0(2)
06.	यूरोप और भारत में आधुनिक संस्कृति का उदय पूर्व आधुनिक काल (सन् 1300–1800)	04	-	-	-	01*	-	04	1(0)
07.	धर्म सुधार और प्रबोधन	04	-	-	-	01*	-	04	1(0)
08.	लोकतंत्रिक और राष्ट्रवादी क्रांतियाँ (सन् 1600–1900)	04	-	-	-	01*	-	04	1(0)
09.	औद्योगिक क्रांति और सामाजिक बदलाव (सन् 1750–1900)	04	-	-	-	01*	-	04	1(0)
10.	उपनिवेशवाद	04	02	01	-	-	-	04	1(2)
11. 12.	लोकतंत्र का विचार एवं विस्तार लोकतंत्र की प्रमुख विशेषताएँ	08	-	-	01	-	01*	08	2(0)
13.	अधिकार	05	-	-	-	-	01*	05	1(0)
14.	जेण्डर समानता और महिला अधिकार	05	-	-	-	-	01*	05	1(0)
15.	आर्थिक क्रियाओं की समझ	06	01	01	01	-	-	06	2(1)
16. 17.	भारतीय अर्थव्यवस्था का स्वरूप भाग – 1 भारतीय अर्थव्यवस्था का स्वरूप भाग – 2	06	-	01	-	01*	-	06	2(0)
18.	उत्पादन कैसे होता है	05	02	-	01	-	-	05	1(2)
	योग –	75	1 (15) =15	2 (5) =10	3 (5) =15	4 (5) = 20	5 (3) = 15	75	18+1 (15) =19

नोट :– 01. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के दो भाग होंगे, भाग 'अ' में 10 बहुविकल्पीय (MCQ) एवं भाग 'ब' में 05 प्रश्न एक शब्द उत्तर वाले प्रश्न होंगे।

02. * तारांकित प्रश्न में आंतरिक विकल्प दिये जाएंगे।

03. कोष्ठक के बाहर की संख्या अंकों को दर्शाती है तथा कोष्ठक के अंदर की संख्या प्रश्नों की संख्या दर्शाती है।

प्रश्नपत्र संरचना
कक्षा – IX
विषय – सामाजिक विज्ञान (300)

कुल अंक – 75 समय – 3:00 घण्टे

1. प्रश्न क्र0–1 वस्तुनिष्ठ प्रश्न है जिसमें दो खण्ड होंगे :–
   (i) "खण्ड–अ" में 10 बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQ) होंगे। प्रत्येक में 01 अंक निर्धारित है।
   (ii) खण्ड–"ब" में 05 एक शब्द में उत्तर वाले प्रश्न होंगे। प्रत्येक में 01 अंक निर्धारित है।

2. प्रश्न क्र0–02 से प्रश्न क्र0–06 तक लघुउत्तरीय प्रश्न (SA-I) होगें, प्रत्येक में 02 अंक निर्धारित है। 30 शब्द सीमा

3. प्रश्न क्र0–07 से प्रश्न क्र0–11 तक लघुउत्तरीय प्रश्न (SA-II) होगें, प्रत्येक में 03 अंक निर्धारित है। 50 शब्द सीमा
   श

4. प्रश्न क्र0–12 से प्रश्न क्र0–16 तक दीर्घउत्तरीय प्रश्न (LA-I) होगें, प्रत्येक में 04 अंक निर्धारित है। 75–100 शब्द सीमा

5. प्रश्न क्र0–17 से प्रश्न क्र0–19 तक दीर्घउत्तरीय प्रश्न (LA-II) होगें, प्रत्येक में 05 अंक निर्धारित है। 100–150 शब्द सीमा

पाठ्यक्रम
कक्षा – IX
विषय – सामाजिक विज्ञान (300)

	अंक	कालखण्ड
01. मानचित्रण और मानचित्र का अध्ययन	04	12

दिशा, नक्शों में दिशा, पैमाना, पैमाने के प्रकार, संकेत, परंपरागत प्रतीक चिन्ह, मानचित्र के प्रकार, उच्चावच मानचित्र, समोच्य रेखाओं की विशेषताएं, मानचित्र की यात्रा, वास्कोडिगामा (सन् 1460–1524), उपनिवेशीकरण, खोज, सैन्य उपयोग और नक्शा बनाना, नक्शे का प्रयोग।

02. भारत एक सामान्य परिचय –	02	06

उपमहाद्वीपीय बनावट–विविधता में एकता, स्थिति, विस्तार और हमारे पड़ोसी देश, साँस्कृतिक परिदृश्य,

- भारतीय उपमहाद्वीप का प्राकृतिक स्वरूप
- उत्तर तथा उत्तर पूर्वी पर्वत माला– हिमालय पर्वत की उत्पत्ति, बर्फ की नदी– हिमनद, कश्मीर घाटी, लद्दाख शीत मरूस्थल का एक गांव, उत्तराखंड एक पहाडी गांव, पशुपालन और लोग, उद्योग धंधे, पर्यटन, भूस्खलन– एक गंभीर समस्या, पूर्वी हिमालय, खेत बनाने निकले, झूम खेती की समस्याएं, उत्तर–पूर्वी राज्यों में आदिवासी लोगों का विकास, चाय के बागान।

- उत्तर का विशाल का मैदान — 01 — 04

  उत्तर का विशाल मैदान, मैदान की उत्पत्ति, मैदान का भौतिक विभाग– सिंधु सतलज का मैदान, गंगा का मैदान, ब्रम्हपुत्र का मैदान, डेल्टा, मैदान और निवासी, सघन बसाहट, मिरपुर में भूमि वितरण, उत्पादन के संगठन, डेयरी और अन्य रोजगार, यातायात के साधन।

- प्रायद्वीपीय पठार, समुद्र तटीय मैदान और द्वीप समूह, भारतीय मरुस्थल — 03 — 10

प्रायद्वीपीय पठार, भारत के विशाल पठार का भौगोलिक अध्ययन–मध्यवर्ती उच्च भूमि, दक्कन का पठार, दक्कन ट्रैप, पठार में खनिज सम्पदा और उत्खनन, समुद्र तटीय मैदान और द्वीप समूह– पश्चिमी तटीय मैदान, पूर्वी तटीय मैदान, तटीय मैदान का आर्थिक तथा सामाजिक महत्व, समुद्र किनारे का जीवन, बड़े और छोटे मछुआरे, मशीन युक्त नाव (ट्रॉलर), समुद्र में मछली कम क्यों हो गई – प्रदूषण, मीठे पानी की कमी, द्वीप समूह – अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह, लक्षद्वीप समूह, भारतीय मरुस्थल– संसाधन और अर्थव्यवस्था, थार मरुस्थल का एक गाँव, जल संरक्षण और प्रबंधन, जल संरक्षण के तरीके, परम्परागत जल संरक्षण विधि, आधुनिक जल संरक्षण विधि।

03. भारत की जलवायु 04 12

मौसम और जलवायु – जलवायु को नियंत्रित करने वाले कारक, अक्षांशीय स्थिति, धरातल से उचाई समुद्र से दूरी, हिमालय पर्वत की स्थिति, वायुदाब, मानव द्वारा निर्मित कारण, ऋतुएँ– ग्रीष्म ऋतु, वर्षा ऋतु – दक्षिण, पश्चिम मानसून, अरब सागरीय मानसून, बंगाल की खाडी मानसून, शरद ऋतु या मानसून की वापसी, शीत ऋतु, एलनीनों और मानसून, जलवायु परिवर्तन।

04. भारत की नदियाँ और अपवाह प्रणाली

04 10

नदी की अवस्था – युवावस्था या ऊपरी भाग, प्रौढ़ावस्था या मध्यभाग, वृद्धावस्था या निम्न भाग, अपवाह तंत्र, भारत का अपवाह तंत्र एवं प्रमुख नदी, बेसिन–सिंधु बेसिन, गंगा बेसिन, सुंदरवन में मानव जीवन, ब्रह्मपुत्र बेसिन, नर्मदा एवं ताप्ती बेसिन, गोदावरी नदी बेसिन, कृष्णा नदी बेसिन, कावेरी नदी बेसिन, महानदी बेसिन, जल एक सार्वजनिक संसाधन, जल का न्याय संगत उपयोग : एक उदाहरण।

05. प्राकृतिक वनस्पति एवं वनाश्रित समुदाय

02 06

वन, वन कितने प्रकार के होते है और वे कहाँ पाये जाते है, वनों का वर्गीकरण, ऊष्ण कंटिबंधीय सदाबहार वन, मानसूनी पतझड़ वन, कांटेदार झाड़ीवाले वन, समुद्र तटीय वन, पर्वतीय वन, छत्तीसगढ़ मे वन क्षेत्र, वनों का उपयोग और संरक्षण, "राष्ट्रीय वन नीति" और वन अधिकार अधिनियम सन् 2006, वन संक्षरण के लिये सामुदायिक प्रयास (दामोदर ने बदली वन क्षेत्र की दशा) परिवेश, दामोदर द्वारा किये गये प्रयास, राजनांदगांव में छा गयी हरियाली।

06. यूरोप और भारत में आधुनिक संस्कृति का उदय–पूर्व –आधुनिक काल (सन् 1300 से 1800) 04 09

आधुनिक काल और उससे पहले, बदलाव के विभिन्न पहलू, रेनासॉ (पुर्नजागरण), यूरोप में मानववाद, भारत में, कला और कलाबोध का एक नया दौर, चित्रकला और मूर्तिकला, दो महत्वपूर्ण चित्रकार, पूर्व आधुनिक कालीन भारत में चित्रकला, वैज्ञानिक क्रांति, समुद्री यात्राएँ और भौगोलिक खोज।

07. धर्म सुधार और प्रबोधन (सन् 1300–1800)

04 10

धर्म संबंधी वाद–विवाद और धर्मसुधार, भारत में धार्मिक विविधता, इस्लामी समाजों में धार्मिक विविधता, यूरोप में कैथोलिक चर्च और धार्मिक सुधार, मार्टिन लूथर और धर्म सुधार, प्रबोधन, विकास की अवधारणा, तर्क या बुद्धि का युग, विज्ञान, विज्ञान बनाम धर्म, स्वतंत्रता, प्रबोधन की आलोचना।

08. लोकतांत्रिक एवं राष्ट्रवादी क्रांतियाँ

(सन् 1600 से 1900) 04 10

इंग्लैण्ड राजा और संसद के बीच संघर्ष, मध्यम वर्ग के लोग और उनके विचार, अमेरीका का स्वतंत्रता संग्राम (सन् 1775–7583), फ्रांसीसी क्रांति युरोप में नई चेतना और राष्ट्रवाद की लहर, एशिया में राष्ट्रवाद– जापान, भारत में राष्ट्रवादी आंदोलन, राष्ट्रीय आंदोलन में गांधीजी की भूमिका।

09. औद्योगिक क्रांति और सामाजिक बदलाव (सन् 1750 से 1900)

04 10

औद्योगिक क्रांति, आरंभिक औद्योगिकीकरण, ब्रिटेल में औद्योगिक क्रांति– अविष्कार और कारखाना, लोहा–स्पात, उर्जा के स्त्रोत, परिवहन, औद्योगिक क्रांति ब्रिटेन में ही क्यों? 18वीं सदी में क्यों? राजनैतिक परिस्थिति, घरेलू बाजार, कृषि का व्यापारीकरण और कृषि क्रांति, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और उपनिवेश, औद्योगीकरण के दौरान मजदूर, मजदूर, औरते और बच्चें, मजदूर आंदोलन, जर्मनी का औद्योगीकरण, जर्मनी में राजकीय समाजवाद, औद्योगीक क्रांति का सामाजिक प्रभाव, भारत में निरुद्योगीकरण और औद्योगीकरण की शुरूआत, बुनकरों का क्या हुआ। भारत में मैनचेस्टर का आना, भारत में कारखानो का आना।

10.उपनिवेशवाद 04 10

दक्षिण अमेरिका में उपनिवेशवाद और राष्ट्रवाद, दक्षिण अमेरिका पर कब्जा, विजय अपनिवेश और व्यापार, शासन एवं सामाजिक संरचना, स्पेन द्वारा अमेरिकी उपनिवेशो का दोहन, स्पेनी उपनिवेशवाद के विरूद्ध संघर्ष, एशिया में उपनिवेशवाद, इंडोनेशिया का हालैण्ड द्वारा उपनिवेशीकरण, बागान अर्थव्यवस्था, चीन में उपनिवेशवाद, अंग्रेजी व्यापार और अफीम युद्ध, चीन पर बढ़ता हुआ विदेशी प्रभाव, खुले द्वार की नीति, विदेशी नियंत्रण का विरोध, आफ्रीका का उपनिवेशीकरण, दास व्यापार, औद्योगिक क्रांति साम्राज्यवादी होड़ और आफ्रीका, वर्चस्ववादी विचारधाराएँ, बर्लिन कॉन्फ्रेस और आफ्रीका का बँटवारा (1884–85), उपनिवेशवाद एवं उसका प्रभाव, कांगो में रबड़ की खेती और स्थानीय समुदायों का नरसंहार, उपनिवेशवाद और अफ्रीकी प्रतिरोध, माजी–माजी विद्रोह, एथियोपिया का सफल प्रतिरोध, भारत में उपनिवेशवाद सन् 1756–1900, एकाधिकारी व्यापार का दौर, दूसरा दौर – इंग्लैण्ड में औद्योगिक क्रांति और भारत का उपनिवेशीकरण, वैचारिक औपनिवेशीकरण, औपनिवेशीकरण– एक तुलनात्मक अध्ययन।

11. लोकतंत्र का विचार एवं विस्तार 08 17

विश्व में अधिनायक वाद के विरूद्ध लोकतांत्रिक संघर्ष, लीबिया की कहानी, लीबिया में राजतंत्र की स्थापना, कर्नल मुअम्मर गद्याफी द्वारा सैनिक तख्ता पलट, लीबिया में प्रगति एवं विकास, प्रगति एवं विकास का प्रभाव, सैन्य शासन की निरंकुशता, लोकतंत्र के लिये संघर्ष, लीबिया में लोकतंत्र की स्थापना, म्यांमार (बर्मा), म्यांमार में लोकतंत्र, म्यांमार में सैन्य शासन, सैनिक शासन व लोकतंत्र का संघर्ष, म्यांमार में बदलाव, लीबिया एवं म्यांमार की तुलना, नोबल पुरस्कार।

12. लोकतंत्र की प्रमुख विशेषताएँ
अधिनायक तंत्र क्या है, लोकतंत्र का विश्व विस्तार, उत्तरदायी सरकार, निश्चित अवधि के बाद चुनाव, स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव, सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार, लोकतंत्र में जनभागीदारी, कानून का शासन, कानून का सम्मान, मानव अधिकार एवं लोकतंत्र, अल्पसंख्यकों के अधिकार, लोकतंत्र और समावेशीकरण।

13. अधिकार — 05 — 12
अधिकारों के बिना जीवन – दास व्यापार, लोकतंत्र में अधिकारों की जरुरत, अधिकारों का संवैधानिक संदर्भ, अधिकारों का घोषणा पत्र, अधिकारों को संरक्षण देने वाली संस्थाएँ – न्यायालय, मानवाधिकार आयोग, छत्तीसगढ़ राज्य मानवाधिकार आयोग, सूचना का अधिकार आयोग, बाल अधिकार संरक्षण आयोग, अधिकारों के बदलते संदर्भ में लोकतंत्र का अधिकारों के साथ संबंध।

14. जेण्डर समानता और महिला अधिकार — 05 — 12
जेण्डर क्या है, क्या श्रम विभाजन लिंग आधारित है, जेण्डर आधारित कार्य के समय में अंतर, रुढ़ियों को तोड़ने के प्रयास, सावित्री बाई फुले (1831–1897), महिलाओं का राजनैतिक अधिकारों के लिए संघर्ष, विभिन्न राजनैतिक संस्थाओं में महिलाओं का प्रतिनिधित्व, महिलाओं की लोकसभा में भागीदारी, महिलाओं के द्वारा आर्थिक आत्मनिर्भरता के प्रयास, माता राजमोहिनी देवी, सरगुजा जिले में महिला सशक्तिकरण के प्रयास, महिला आयोग।

15. आर्थिक क्रियाओं की समझ — 06 — 15
आर्थिक क्रियाएँ, अर्थव्यवस्था के क्षेत्र – कृषि एवं संबंधित क्षेत्र, उद्योग क्षेत्र, सेवा क्षेत्र, वस्तुओं एवं सेवाओं के उत्पादन की गणना क्यों और कैसे, कुल उत्पादन के लिये मूल्य–संवर्धन विधि, सकल घरेलू उत्पाद, गैर भुगतान क्रियाओं की समझ एवं महत्व।

16. भारतीय अर्थव्यवस्था का स्वरूप भाग–1 — 06 — 15
कृषि एवं संबंधित क्षेत्र, कृषि क्षेत्र की मुख्य चुनौतियाँ, मानसून पर निर्भरता एवं जल संरक्षण, भूमि की उर्वरा शक्ति को बचाए रखना, जैविक खेती : एक कृषक का अनुभव, भूमि का असमान वितरण, कृषि उत्पाद के लिये विपणन व्यवस्था, कृषि में साख की आवश्यकता – संस्थागत साख, गैरसंस्थागत साख, गैर कृषि कार्य के अवसर।

17. भारतीय अर्थव्यवस्था का स्वरूप भाग–2
साठ वर्षो की झलक – प्रारंभिक दौर, सुधारों का दौर, उद्योग में रोजगार, उद्योग के उपक्षेत्र, औद्योगिक परिक्षेत्र और चुनौतियाँ, सेवा क्षेत्र – सेवा क्षेत्र एवं रोजगार, सेवा कार्य एवं उसके उपक्षेत्र – व्यापार, होटल एवं रेश्तराँ तथा परिवहन, भण्डारण और संचार, बैकिंग, बीमा एवं स्थायी सम्पदा, सामुदायिक, सामाजिक एवं निजी सेवाएँ, सेवा क्षेत्र का बदलता स्वरूप, सेवा क्षेत्र में चुनौतियाँ।

18. उत्पादन कैसे होता है 05 10

एक शहर का अध्ययन, रायपुर–एक बढ़ता शहर, भूमि–रायपुर में भूमि का उपयोग, श्रम, शहर में मजदूर– रायपुर का उदाहरण, स्वरोजगार प्राप्त श्रमिक, अकुशल श्रम, कुशल श्रम, उत्पादन की व्यवस्था, पूँजी– भौतिक या स्थायी पूँजी, कामकाजी या अस्थायी पूँजी, स्थायी और कामकाजी पूँजी की व्यवस्था करना, उद्यमिता "जैन कुंभ और उनका वाट्स–एप्प", एक राईस मिल का बनना, एक चाय–नाश्ता की दुकान।

- संदर्भ मानचित्र

कुल –	**75**	**190**
प्रायोजना –	**25**	**30**
महायोग –	**100**	**240**

प्रायोजना कार्य
कक्षा – IX
विषय – सामाजिक विज्ञान (300)

कुल अंक – 25
(Total Marks 25)

समय – 2:00 घण्टे
(Time : Two Hours)

मूल्यांकन योजना

स.क्र. S.NO.	विषयवस्तु (Contents)	आबंटित अंक Marks Allotted
1.	भूगोल	07
2.	इतिहास	06
3.	राजनीति शास्त्र — सत्रगत् गतिविधि अनुसार	06
4.	अर्थशास्त्र	06
	कुल अंक (Total Marks)	25 Marks

नोट –

01. विषय शिक्षक द्वारा पाठ्यक्रमानुसार विषय आधारित प्रायोजना कार्य विद्यार्थियों से कराया जाना है।
02. प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रायोजना का रिकॉर्ड तैयार कराया जाए।